CENTRAL ZONE INSURANCE EMPLOYEES' ASSOCIATION
(Affiliated to All India Insurance Employees Association)

President: Ajit Ketkar

General Secretary: D.R.Mahapatra

Off.(LIC) 2583055,59,60, 4054460
Residence: 2272723, 2273808
c/o LIC Of India
Divisional Office, Jeevan Prakash
Jeevan BIma Marg, Pandri
Raipur

E-mail cziea@yahoo.com

दिनांक : 31/08/2023
परिपत्र क्रमांक : 07/2023

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : एल आई सी के गौरवशाली अस्तित्व के 67 वर्ष।

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) 1 सितंबर 2023 को अपने गौरवशाली और उद्देश्यपूर्ण अस्तित्व के 67 वर्ष पूरे कर 68 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है । यह अवसर बीमा कर्मचारियों, अधिकारियों, विकास वाहिनी, अभिकर्ताओं, बीमा धारकों के साथ ही स्वतंत्र, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भारत के की परिकल्पना के एक महत्वपूर्ण उद्यम के प्रति वचनबद्ध देश के नागरिकों के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है । जहां तक एक ट्रेड यूनियन के रूप में AIIEA का प्रश्न है उसके लिए तो यह अवसर उल्लास की विषय वस्तु है क्योंकि AIIEA ने 1951में जन्म लिया, जबकि एल आई सी का निर्माण 1956 में हुआ । इसलिए AIIEA इसके जन्मदाता से कम नहीं है । 1951 से 1956 तक AIIEA के नेतृत्व में बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण लिए चले संघर्ष की इसके जन्म में उल्लेखनीय भूमिका रही । इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र के एल आई सी के प्रति हमारा रुख विचारधारात्मक प्रतिबद्धता का आधार है । देश में जीवन बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के परिणामस्वरूप संसद के एक अधिनियम द्वारा 01.09.1956 को LIC अस्तित्व में आई। इसके पूर्व 19.01.1956 को एक अध्यादेश जारी कर तत्कालीन 245 निजी जीवन बीमा कंपनियों को समाहित कर एल आई सी का निर्माण हुआ । जीवन बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य बड़े पैमाने पर भारत के लोगों के बीच बीमा का संदेश फैलाना, राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में उसी सिद्धांत के साथ निवेश करके अच्छे रिटर्न के साथ जनता को संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करके लोगों की छोटी बचत को बड़ी मात्रा में राष्ट्र विकास के लिए जुटाना था। "आम जनता का का पैसा आम जनता के कल्याण के लिए" इसकी मुख्य अवधारणा थी। बीमा का राष्ट्रीयकरण आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की दिशा में सरकार द्वारा अपनाए गए आर्थिक दर्शन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण का उद्देश्य, जैसा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, व्यक्ति के साथ-साथ राज्य की भी सेवा करना था।

CENTRAL ZONE INSURANCE EMPLOYEES' ASSOCIATION
(Affiliated to All India Insurance Employees Association)

President: Ajit Ketkar

General Secretary: D.R.Mahapatra

Off.(LIC) 2583055,59,60, 4054460
Residence: 2272723, 2273808
c/o LIC Of India
Divisional Office, Jeevan Prakash
Jeevan BIma Marg, Pandri
Raipur

E-mail cziea@yahoo.com

निर्विवाद रूप से एलआईसी ने अपने अस्तित्व के पिछले 67 वर्षों के दौरान अद्वितीय सफलता के साथ राष्ट्रीयकरण के सभी घोषित उद्देश्यों को पूरा किया है । यह राष्ट्र निर्माण में जबरदस्त योगदान देने वाला एक बेहतरीन वित्तीय समूह और प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के रूप में उभरा है। एलआईसी एक घरेलू नाम बन गया है, जिसने पूरे देश और उसके बाहर भी अपनी अचूक छाप छोड़ी है। आज, एलआईसी कुल 35.91 करोड़ पॉलिसियों की सेवा देती है, जिनमें 27.10 करोड़ व्यक्तिगत पॉलिसियाँ और 8.81 करोड़ समूह पॉलिसियाँ शामिल हैं। निजी प्रतिस्पर्धियों से 23 साल की प्रतिस्पर्धा के बाद भी, एलआईसी अभी भी बाजार में न केवल मुख्य भमिका में है बल्कि नेतृत्वकर्ता भी है । यह आज भी बाज़ार में अपनी अग्रणी भूमिका जारी रखे है, यह उदाहरण विश्व के स्तर पर भी एक अजूबा उद्धरण है ।

हालांकि जब एलआईसी अपनी शानदार यात्रा के 68वें वर्ष में प्रवेश कर रही है, उसके समक्ष चुनौतियां भी कई कई गुना बढ़ी हैं। विशेषकर आईपीओ के बाद, एक ऐसा कदम जो लोकप्रिय जनमत और पॉलिसीधारकों के साथ-साथ देश के हितों के खिलाफ है, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद से एलआईसी शेयरों के पर्याप्त मूल्य खोने पर इसके विरुद्ध एक बड़ा नकारात्मक अभियान चल रहा है। शेयर बाजार में एलआईसी शेयरों के प्रदर्शन को उसके वास्तविक आंतरिक मूल्य और व्यावसायिक प्रदर्शन के बजाय एलआईसी की ताकत का मूल्यांकन करने के लिए पैरामीटर के रूप में पेश किया जा रहा है। जैसा कि अनुमान लगाया गया था, शेयरधारकों के हितों ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया और परिणामस्वरूप, व्यापार मॉडल में एक उल्लेखनीय बदलाव आया, जिसमें पार्टिसिपेटिंग पालिसियों की तुलना में गैर- पार्टिसिपेटिंग पालिसियों की बिक्री को प्राथमिकता दी जा रही है, जो शेयरधारकों के लिए अधिक फायदेमंद हैं। कुख्यात अदानी निवेश मुद्दे पर एलआईसी के खिलाफ बड़े पैमाने पर नकारात्मक अभियान ने भी एलआईसी की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

किंतु, उपरोक्त नकारात्मक परिवेश और अर्थव्यवस्था में जारी संकट की प्रतिकूलता के भारी बाधाओं के बावजूद, एलआईसी सराहनीय प्रदर्शन कर रही है। एलआईसी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 16.75% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2.32 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय अर्जित की। एल आई सी ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान 2.04 करोड़ पॉलिसियाँ बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह संख्या 2.17 करोड़ थी। 31.03.2023 तक,

CENTRAL ZONE INSURANCE EMPLOYEES' ASSOCIATION
(Affiliated to All India Insurance Employees Association)

President: Ajit Ketkar

General Secretary: D.R.Mahapatra

Off.(LIC) 2583055,59,60, 4054460
Residence: 2272723, 2273808
c/o LIC Of India
Divisional Office, Jeevan Prakash
Jeevan BIma Marg, Pandri
Raipur

E-mail cziea@yahoo.com

एलआईसी का एसेट अंडर मैंनेजमेंट (एयूएम) 43.97 लाख करोड़ रुपये था जो इस वर्ष की प्रथम तिमाही के नतीजों के बाद 30 जून 2023 तक बढ़कर 46.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एलआईसी का दावा निष्पादन प्रदर्शन बीमा उद्योग में सर्वश्रेष्ठ बना हुआ है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, एलआईसी ने 214.80 लाख से अधिक परिपक्वता दावों का निष्पादन कर 1,85,927 करोड़ रुपये और 10.71 लाख से अधिक मृत्यु दावे के लिए 24,000 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया । एलआईसी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में साल दर साल 14 गुना बढ़ोतरी के साथ 9,543.71 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। हालाँकि, आईपीओ के बाद की अवधि में, एलआईसी के प्रदर्शन को कई नए मापदंडों के आधार पर आंकने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए चिंता के कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर हमें गंभीरता से ध्यान देना होगा। पिछले वित्तीय वर्ष में अच्छे प्रदर्शन के बाद पहली तिमाही में हमने प्रीमियम में धीमी वृद्धि देखी है। सरकार के इन फैसलों, 5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक प्रीमियम पर कर तथा गैर-यूलिप योजनाओं की परिपक्वता आय पर कर छूट वापस लेने, गिरती प्रयोज्य (डिस्पोजल आय) आय याने लोगों की घटती क्रय शक्ति भी हमारे प्रीमियम पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं ।

चिंता का एक अन्य क्षेत्र खरीदी गई पॉलिसियों की संख्या में गिरावट है। निश्चित लागत के साथ अपरिवर्तित रहने पर, पॉलिसियों की संख्या में गिरावट का मतलब है कि एलआईसी उत्पादों की प्रति पॉलिसी लागत का बढ़ना है । इससे हमारे उत्पाद निजी क्षेत्र की तुलना में कम आकर्षक दिखाई दे सकते हैं। इसलिए एल आई सी प्रबंधन को भी बाजार की जरूरतों के अनुरूप और लक्षित समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नए उत्पादों को फिर से आविष्कार और विकसित करने की अनिवार्य आवश्यकता है। 'एम्बेडेड बीमा', आकर्षक नई पेंशन योजनाएं और स्वास्थ्य बीमा योजनाएं जैसी उभरती अवधारणाओं के अनुरूप लोगों की अपेक्षानुकुल हमे नए उत्पाद का विकास करना होगा। उन्नत प्रौद्योगिकी आज उद्योग के लिए अपरिहार्य हो गई है। सभी जगह बीमा कंपनियाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके उत्पाद विकास और सेवा विकसित करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। हम इन घटनाक्रमों से अनभिज्ञ नहीं रह सकते।

CENTRAL ZONE INSURANCE EMPLOYEES' ASSOCIATION
(Affiliated to All India Insurance Employees Association)

President: Ajit Ketkar

General Secretary: D.R.Mahapatra

Off.(LIC) 2583055,59,60, 4054460
Residence: 2272723, 2273808
c/o LIC Of India
Divisional Office, Jeevan Prakash
Jeevan BIma Marg, Pandri
Raipur

E-mail cziea@yahoo.com

यह भी किसी से छुपा नहीं है कि नियामक संस्था IRDAI के प्रस्ताव सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा उद्योग के लिए सबसे बड़ा ख़तरा बन रहे हैं। न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं, सॉल्वेंसी मार्जिन आवश्यकताओं, कमीशन संरचना को बदलने, समग्र लाइसेंस जारी करने की अनुमति देने, एजेंटों की पोर्टेबिलिटी, एजेंटों को 3 जीवन, 3 गैर-जीवन और 3 स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की पॉलिसियां बेचने की अनुमति देने, पॉलिसियों को डीमैटरियलाइज़ करने और 'कैप्टिव बीमा' की अवधारणा प्रत्येक कॉर्पोरेट घराने को अपनी बीमा कंपनी रखने की अनुमति देती है - इन सभी के एलआईसी पर गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे। आईआरडीएआई इस बहाने से इन सभी सुधारों पर जोर दे रहा है कि भारत एक बेहद कम बीमा पहुंच वाला बीमा बाजार है और इसे दूर करने और "2047 तक सभी के लिए बीमा" के लक्षित लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र तरीका बीमा बाजार को अधिक संख्या में निजी लोगों यानी निजी कंपनियों से भरना है। बीमाकर्ता इस तथ्य को आसानी से नजरअंदाज कर रहे हैं कि भारत में जीवन बीमा की पहुंच 3.2% है, जो कई विकसित और विकासशील देशों की तुलना में बहुत अधिक है। इसलिए, सरकार और आईआरडीएआई के प्रस्तावों के पीछे का वास्तविक इरादा बीमा उद्योग को राष्ट्रीयकरण के पूर्व के दिनों में वापस ले जाना है, जिससे यह क्षेत्र धोखाधड़ी प्रथाओं के अधीन और लोगों की बचत को खतरे में डाल देगा।

यह सर्वविदित है कि पॉलिसीधारकों के निरंतर संरक्षण और जबरदस्त समर्थन, एजेंटों के प्रतिबद्ध योगदान और कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई निस्वार्थ सेवाओं के कारण एलआईसी गौरव के शिखर पर पहुंच गई है और यह भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गई है। एलआईसी के लिए काम करना और इसकी सुरक्षा करना कर्मचारियों के लिए एक वैचारिक प्रतिबद्धता है। हम एलआईसी को हर कीमत पर पूरी तरह सुरक्षित रखेंगे। एलआईसी को कमजोर करने के सभी प्रयासों का हमारे द्वारा अब तक जबरदस्त प्रतिकार किया गया है और आगे भी पूरी ताकत से मुकाबला करने हम कटिबद्ध हैं । सामान्य रूप से समूचे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग और विशेष रूप से एलआईसी की सुरक्षा के लिए हमारे आंदोलन को एक राजनीतिक आंदोलन में हमें परिवर्तित करना होगा क्योंकि हमें अस्थिर या खत्म करने का निर्णय भी राजनीतिक है ।

CENTRAL ZONE INSURANCE EMPLOYEES' ASSOCIATION
(Affiliated to All India Insurance Employees Association)

President: Ajit Ketkar

General Secretary: D.R.Mahapatra

Off.(LIC) 2583055,59,60, 4054460
Residence: 2272723, 2273808
c/o LIC Of India
Divisional Office, Jeevan Prakash
Jeevan BIma Marg, Pandri
Raipur

E-mail cziea@yahoo.com

इसलिए, एल आई सी के 68वें स्थापना दिवस के महान अवसर पर, आइए हम एलआईसी की सुरक्षा के लिए खुद को फिर से समर्पित करें। CZIEA के निर्णय के अनुरूप 1 सितंबर को "एल आई सी बचाओ, देश बचाओ" नारे के साथ ही " एल आई सी है तो कहीं और क्यों जाना" के नारे के साथ हमे नुक्कड़ सभाएं, मानव श्रृंखला, पर्चा वितरण, मशाल/कैंडल लाइट जुलूस आदि के जरिए आम जनता के मध्य जाना है और जनता तक एल आई सी के राष्ट्र के विकास में योगदान को ले जाना है और फिर एक बार इस लड़ाई में भारत की आम जनता को लामबंद करना है ।

मध्य क्षेत्र में हमारे साथी पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान में जुटेंगे और हर कीमत पर अपने प्रिय संस्थान की रक्षा के संघर्ष को सम्पूर्ण एकता के साथ कामयाब बनाएंगे यही हमारा विश्वास है।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी,

(डी.आर.महापात्र)
महासचिव